IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

लिंग के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि

षषि चौधरी

सारांष

प्रस्तुत शोध अध्ययन में उच्च प्राथमिक स्तरीय षिक्षकोंकी लिंग के सन्दर्भ में संवेगात्मक बुद्धिका अध्ययन किया गया है।अध्ययन का उद्देश्य लिंग के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धिका अध्ययन करना है।अध्ययन में सर्वेक्षण विधि को शोध विधि के रूप में प्रयुक्त किया गया है। प्रदत्तों के स्रोत प्राथमिक हैं। उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षण करने वाले शिक्षक प्रदत्तों के स्रोत है।उच्च प्राथमिक स्तरीय विद्यालयों में कार्यरत कुल 800 शिक्षकों ;400 महिला तथा 400 पुरूष षिक्षकोंका यादृच्छिक विधि के माध्यम से न्यादर्ष हेतु चयन किया गया है। प्रदत्तों का विष्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण सांख्यिकी द्वारा किया गया है।

मूल षब्द –उच्च प्राथमिक स्तरीय षिक्षक,लिंग,संवेगात्मक बुद्धि।

प्रस्तावना :

शिक्षा मानव जीवन का आधार है। मानव का विकास और उन्नयन शिक्षा पर ही निर्भर है। मानव के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा व शिक्षा के प्रभावी विस्तार के लिए कुशल शिक्षक को तैयार करना आवश्यक है। शिक्षक ही विद्यार्थियों को अधिगम के लिए जिज्ञासु बनाते हैं और उनको वांछित लक्ष्य की और अग्रसर करते हैं। शिक्षा की प्रक्रिया अन्तःवैयक्तिक प्रक्रिया है जिसमें विद्यार्थी एवं शिक्षक के मध्य अन्तःक्रिया होती है इसलिए शिक्षक एवं विद्यार्थियों के न केवल बौद्धिक गुण अपितु संवेगात्मक व्यवहार भी एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। विभिन्न परिस्थितियों में शान्ति के साथ कार्य करना और वांछित व्यवहार करने को ही मनोवैज्ञानिक भाषा में संवेगात्मक बुद्धि कहा जाता है। इसलिए शिक्षा की प्रक्रिया से जुड़े सभी व्यक्तियों की संवेगात्मक बुद्धि शिक्षा की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने का एक महत्वपूर्ण घटक बनती है।

संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति में निहित वह क्षमता है जिसके आधार पर वह अपनी तथा दूसरों की भावनाओं को समझ पाता है। संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति को उसके संवेगों को उचित रुप में अभिव्यक्त करने की क्षमता प्रदान कर उसके व्यक्तित्व का विकास भी करती है। शिक्षा का लक्ष्य व्यक्तित्व का विकास करना है, जिसमें संवेगात्मक बुद्धि एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संवेगात्मक रूप से सक्षम शिक्षक विद्यार्थियों को उचित रूप से अभिप्रेरित कर

समय का सदुपयोग करना सिखाता है तथा नेतृत्व क्षमता का विकास भी करता है। संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति को सामूहिक रूप में अधिक प्रभावी ढ़ंग से कार्य करने में सहायता करती है। सामान्य रूप से संवेगात्मक बुद्धि जीवन के प्रत्येक क्रियाकलाप में लाभदायक सिद्ध होती है।

सवेंगात्मक बुद्धि की परिभाषायें इस प्रकार हैं :–

संवेगात्मक बुद्धि की परिभाषाएँ

गोलमैन के अनुसार :– संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति के स्वयं के एवं दूसरों के संवेगों को पहचानने की वह क्षमता है जो हमें प्रेरित कर सकने और हमारे संवेगों को स्वयं में और अपने संबंधों के दौरान भली प्रकार से साधने में सहायक होती है।

सोलवे मैयर के अनुसार :– संवेगात्मक बुद्धि, संवेगों का प्रत्यक्षीकरण करने, उन्हें समझने, उसका प्रबन्धन करने एवं उन्हें प्रयोग में लाने की योग्यता है।

एस. हेन के अनुसार :– संवेगात्मक बुद्धि एक मानसिक क्षमता है जिसके साथ हम जन्म लेते हैं, जो हमे संवेगात्मक रूप से संवेदनशीलता तथा हमारी क्षमताओं को संवेगात्मक समझ प्रदान करती है।

समस्या कथन

लिंग के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि।

अध्ययन के उद्देश्य

- ❖ लिंग के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तरों का अध्ययन करना।
- ❖ लिंग के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धिका अध्ययन करना।

परिकल्पना–

- उच्च प्राथमिक षिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि भिन्नतापूर्ण होती है।
- महिला एवं पुरूष उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

अध्ययन के चर

स्वतन्त्र चर : लिंग

आश्रित चर : शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि

संक्रियात्मक परिभाषायें

उच्च प्राथमिक स्तर :–

उच्च प्राथमिक स्तर से अभिप्राय कक्षा 6, 7, एवं 8 स्तर से है।

उच्च प्राथमिक स्तरीय शिक्षक :–

प्रस्तुत शोध में उच्च प्राथमिक स्तरीय शिक्षक से अभिप्राय नियमित विद्यालयों में कक्षा 6,7,8 में शिक्षण करने वाले शिक्षकों से है।

संवेगात्मक बुद्धि

संवेगात्मक बुद्धि अपने एवं दूसरे के भावों को पहचानने की क्षमता तथा अपने आपको अभिप्रेरित करके एवं अपने संबंधों में संवेगों को प्रबंधित करने की क्षमता है।संवेगात्मक बुद्धि से अभिप्राय स्व–जागरूकता, स्वयं के संवेगों का प्रबन्धन, स्व अभिप्रेरणा, परानुभूति तथा संबंध एवं व्यवहारों के प्रबंधन पक्षों से है।

अनुसंधान विधि

प्रस्तुत शोध की समस्या की प्रकृति को ध्यान में रखकर सर्वेक्षण विधि को शोध विधि के रूप में प्रयुक्त किया गया है।

प्रदत्तों के स्रोत

प्रस्तुत अध्ययन में प्रदत्तों के स्रोत प्राथमिक हैं। उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षण करने वाले शिक्षक प्रदत्तों के स्रोत हैं।

जनसंख्या

प्रस्तुत शोध हेतु जनसंख्या के रूप में उत्तर प्रदेश के आगरा मंडल के मथुरा तथा आगरा, जिले के उच्च प्राथमिक स्तरीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक हैं।

न्यायदर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्त्री द्वारा आगरा मंडल के मथुरा और आगरा जिले के उच्च प्राथमिक स्तरीय विद्यालयों में कार्यरत कुल 800 शिक्षकों ;400 महिला तथा 400 पुरुषका यादृच्छिक विधि के माध्यम से न्यादर्ष हेतु चयन किया गया है।

शोध उपकरण

शोधकर्त्री द्वारा प्रदत्त संकलन हेतु टीचर्स इमोषनल इन्टेलीजेन्स इनवेन्टरी ;डॉ षुभ्रा मंगल द्वारा निर्मितशोध उपकरण प्रयुक्त किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

अध्ययन के उद्देश्यों एवं प्रदत्तों की प्रकृति के आधार पर प्रदत्तों का विष्लेषण मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण सांख्यिकी द्वारा किया गया है।

❖ उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि स्तर का प्रस्तुतीकरण एवं विश्लेषण (प्रतिशतता के रूप में)।

षिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर को लिंग के सन्दर्भ में प्रतिषतता के रूप में तालिका 1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 1–लिंग के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक षिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर

संवेगात्मक बुद्धि के स्तर										
लिंग	अति उच्च		उच्च		सामान्य		सामा. से कम		निम्न	
	छ	:	छ	:	छ	:	छ	:	छ	:
महिला	02	.	05	1	17	04	66	17	310	78
पुरूष	01	.	10	02	29	07	158	40	202	51

रेखाचित्र 1–लिंग के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक षिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि के स्तर

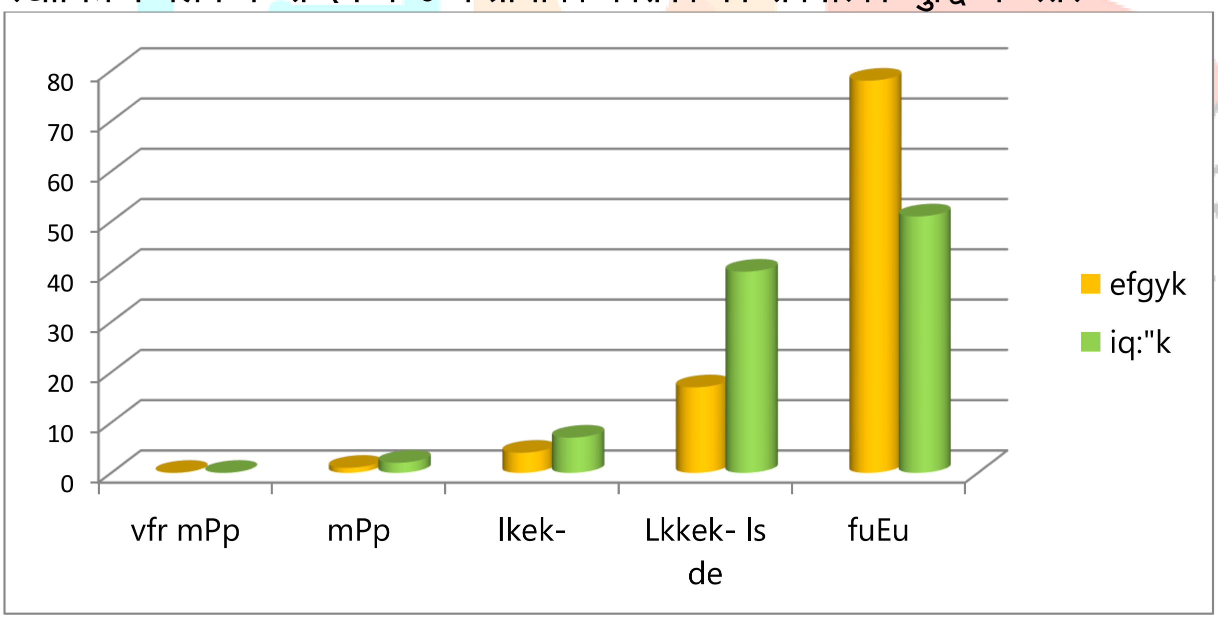

* लिंग के सन्दर्भ में संवेगात्मक बुद्धि के विभिन्न स्तरों पर शिक्षकों की प्रतिशतता–

तालिका 1व रेखाचित्र 1 से स्पष्ट होता है कि संवेगात्मक बुद्धि के उच्च व सामान्य स्तर पर क्रमशः 1ः व 4ः महिला शिक्षक पायी गयी, सामान्य से कम स्तर पर 17ः व निम्न स्तर पर 78ः महिला शिक्षक पायी गयीं जबकि संवेगात्मक बुद्धि के अति उच्च स्तर पर महिला शिक्षकों का प्रतिशत नगण्य है।

इसी प्रकार संवेगात्मक बुद्धि के उच्च व सामान्य स्तर पर क्रमशः 2ः व 7ः पुरूष शिक्षक पाये गये, सामान्य से कम व निम्न स्तर पर क्रमशः 40ः व 51ः पुरूष शिक्षक पाये गये जबकि अति उच्च स्तर पर पुरूष शिक्षकों का प्रतिशत नगण्य है।

इस प्रकार दृष्टव्य है कि संवेगात्मक बुद्धि के अति उच्च स्तर पर महिला एवं पुरूष शिक्षकों की प्रतिशतता समान रूप से नगण्य है तथा संवेगात्मक बुद्धि के उच्च व सामान्य स्तर पर भी महिला व पुरूष शिक्षकों की प्रतिशतता क्रमशः 1ः व 2ः व 4ः व 7ः है जो बहुत कम है। संवेगात्मक बुद्धि के सामान्य से कम व निम्न स्तर पर महिला एवं पुरूष शिक्षकों की प्रतिशतता में काफी अधिक अन्तर है किन्तु साथ ही सर्वाधिक शिक्षक प्रतिशतता (78ः महिला व 51ः पुरूष) संवेगात्मक बुद्धि के निम्न स्तर पर पायी गयी है।

अतः प्रस्तुत **परिकल्पना–1** ''उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि भिन्नतापूर्ण है'' स्वीकृत होती है। शिक्षकों में अति उच्च, उच्च, सामान्य, सामान्य से कम व निम्न स्तर पर संवेगात्मक बुद्धि पायी गयी है।

- **लिंग के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या**

उच्च प्राथमिक स्तर पर कार्यरत महिला एवं पुरूष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि सम्बन्धी प्रदत्तों के विश्लेषण को तालिका 2 व रेखाचित्र 2 द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 2– लिंग के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि के अन्तर का सार्थकता स्तर

लिंग	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	टी–मूल्य	स्वतन्त्रता की कोटि	सारणी मूल्य	परिणाम
महिला	400	671ण्51	84ण्51	4ण्22	0ण्758	798	0ण्05 1ण्96	सार्थक अन्तर नहीं है।
पुरूष	400	667ण्10	80ण्73	4ण्03				

रेखाचित्र 2– महिला एवं पुरूष उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि

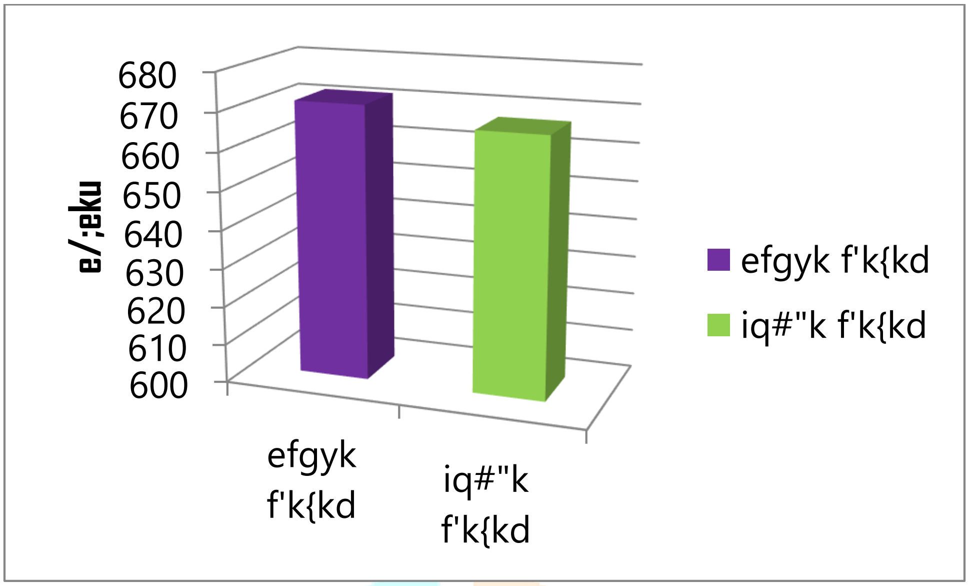

तालिका 2 एवं रेखाचित्र 2 से स्पष्ट होता है कि महिला शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान 671.53 है तथा पुरूष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का मध्यमान 667.10 है। महिला एवं पुरूष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि का मानक विचलन क्रमशः 84.51 एवं 80.73 है। प्राप्त मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता जाँच करने पर प्राप्त टी–मूल्य 0.758 है। टी का सारणी मूल्य 0.01 स्तर पर 2.58 तथा 0.05 स्तर पर 1.96 है। प्राप्त टी–मूल्य सारणी मूल्य से कम है। अतः कहा जा सकता है कि महिला एवं पुरूष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि समान होती है।

प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर **परिकल्पना–2** ''महिला एवं पुरूष उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है'' स्वीकृत होती है। उच्च प्राथमिक स्तर पर महिला व पुरूष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि समान रूप में निम्न स्तर की पायी गयी है।

समेकन–

उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में भिन्नता पायी गयी है। सर्वाधिक शिक्षक संवेगात्मक बुद्धि के निम्न स्तर (78ः से 71ः) पर पाये गये हैं। 17ः से 40ःशिक्षकों मेंसंवेगात्मक बुद्धि के सामान्य से कम स्तरपाया गया। संवेगात्मक बुद्धि के उच्च व सामान्य स्तर पर शिक्षकों का प्रतिषत बहुत कम है, अति उच्च स्तर पर शिक्षकों का प्रतिषत प्रायः 1ः या नगण्य है।

लिंग के सन्दर्भ में उच्च प्राथमिक शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया । महिला एवं पुरुष शिक्षकों की संवेगात्मक बुद्धि समान पायी गयी।

सन्दर्भ

→ आहूजा बेलीराम (2006), शिक्षा के आधारभूत सिद्धान्त, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।

→ मिश्र करूणा शंकर (1990), शिक्षा मनोविज्ञान के नये क्षितिज, अनुभव पब्लिशिंग हाऊस, इलाहाबाद–211006।

→ मंगल एस. के. (2008), शिक्षा मनोविज्ञान, प्रैन्टीक हॉल ऑफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।

→ माथुर एस. एस. (2001), शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

→ सिंह मनोज कुमार, शिक्षा और समाज, आदित्य पब्लिशर्स, बीना (म. प्र.) –2000।

→ श्रीधर (2007), टीचर ऐफिसीअंसी एण्ड कोरिलेट ऑफ प्राइमरी स्कूल टीचर्स, नीलकमल पब्लिकेशन्स, हैदराबाद, वोल्यूम–7, पृष्ठ–25–27।

→ सिंह मनोज कुमार (2000), शिक्षा और समाज, आदित्य पब्लिशर्स, बीना (म.प्र.)।